इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़ (छ.ग.)

प्री.पीएच.-डी. प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम

अवनद्ध वाद्य विभाग

1. अवनद्ध वाद्य की व्याख्या। अवनद्ध वाद्यों का विकास क्रम। अवनद्ध वाद्यों का ऐतिहासिक विवरण। तबला एवं पखावज़ वाद्य का इतिहास, विकास एवं वादन पद्धति। उत्तर भारतीय संगीत में प्रयुक्त प्रमुख अवनद्ध वाद्यों का सचित्र वर्णन तथा उनकी वादन शैली - ढोलक, नाल, नक्कारा, डफ़, दुक्कड़, ताशा, ढोल।
2. बाज तथा घराने की परिभाषा। तबला वादन के विभिन्न घरानों का ऐतिहासिक विवरण एवं वादन विशेषताओं का ज्ञान। घराना तथा वादन पद्धति के संदर्भ में तबला वादन की विभिन्न रचनाओं - पेशकार, कायदा, रेला, बाँट, गत, मुखड़ा, टुकड़ा, परन, चक्रदार का रचनागत वैशिष्ट।
3. लय तथा लयकारी की तुलना। लयकारी लेखन- दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़, कुआड़, बिआड़। विभिन्न तालांकन पद्धतियों की जानकारी। तालांकन पद्धति की उपयोगिता एवं महत्व। ताल की परिभाषा। संगीत में ताल का स्थान एवं महत्व। ताल के दस प्राण का अध्ययन।
4. मार्ग ताल पद्धति तथा देशी ताल पद्धति का विस्तृत अध्ययन। उत्तर भारतीय तथा दक्षिण भारतीय ताल पद्धति का विस्तृत अध्ययन। प्राचीन तथा वर्तमान ताल पद्धतियों का समीक्षात्मक अध्ययन।
5. भारतीय वाद्यों के प्राचीन वर्गीकरण का सिद्धान्त। तंत्रीवाद्य, घनवाद्य एवं सुषिर वाद्य की परिभाषा एवं ऐतिहासिक वर्णन। स्वतंत्र तबला वादन के सिद्धान्त एवं महत्व। संगीत की सभी विधाओं के साथ संगत/संगति की जानकारी।
6. स्टाफ नोटेशन पद्धति का विस्तृत अध्ययन। पाश्चात्य अवनद्ध तथा घनवाद्यों का सचित्र वर्णन। छन्द की परिभाषा। छन्दों और तालों के पारस्परिक सम्बन्धों का ज्ञान। बंदिशों के सन्दर्भ में छन्द का महत्व। संगीत शिक्षण की प्राचीन परम्परा का ऐतिहासिक अध्ययन। संस्थागत शिक्षण प्रणाली का ऐतिहासिक अध्ययन।

7. निम्नलिखित शास्त्रकारों तथा उनके ग्रन्थों का परिचय :-

(अ) भरतमुनि - नाट्यशास्त्र

(ब) शारंगदेव - संगीत रत्नाकर

(स) पार्श्वदेव - संगीत समयसार

(द) व्यंकटमखी - चतुर्दण्डी प्रकाशिका

(इ) महाराणा कुम्भा - संगीतराज

8. निम्नलिखित पुस्तकों का समीक्षात्मक अध्ययन :-

(अ) भारतीय संगीत वाद्य - डॉ. लालमणि मिश्र

(ब) तबले का उद्गम, विकास एवं वादन शैलियाँ - डॉ. योगमाया शुक्ला

(स) भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचन - डॉ. अरूण कुमार सेन

(द) पखावज एवं तबले के घराने एवं परम्पराएँ - डॉ. आबान ई. मिस्त्री

(इ) ताल कोश - डॉ. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव

(क) तबला वादन कला एवं शास्त्र - श्री सुधीर माईणकर